मसीह के चमत्कार मानव तर्क पर निर्भर नहीं करते

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

शालोम! आज के परमेश्वर के वचन के अध्ययन में आपका स्वागत है। इससे पहले कि हम आगे बढ़ें, मैं चाहता हूँ कि आप दो शक्तिशाली घटनाओं पर ध्यानपूर्वक विचार करें, जो शास्त्रों में दर्ज हैं। ये दो पद—जो नीचे हाइलाइट किए गए हैं—आज की शिक्षा का मुख्य संदेश प्रस्तुत करते हैं। मोटे अक्षरों में लिखे शब्दों पर विशेष ध्यान दें।

पहला पद: लूका 5:4–7 (NKJV)

“जब उन्होंने बोलना बंद किया, तो उन्होंने सिमोन से कहा,
‘गहरे में जाओ और अपना जाल डालो।’ लेकिन सिमोन ने उत्तर दिया और कहा, ‘प्रभु, हमने सारी रात मेहनत की और कुछ भी नहीं
पकड़ा; फिर भी आपकी बात पर मैं जाल डालूंगा।’ और जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने बहुत मछली पकड़ी, और उनका जाल टूटने लगा। इसलिए उन्होंने अपने साथी नाव में सवार लोगों को संकेत दिया कि वे मदद के लिए आएं। और वे आए और दोनों नावों को भर दिया, यहाँ तक कि वे डूबने लगीं।”

दूसरा पद: योहन 21:3–6 (NKJV)

“सिमोन पतरस ने उनसे कहा, ‘मैं मछली पकड़ने जा रहा हूँ।’

मसीह के चमत्कार मानव तर्क पर निर्भर नहीं करते

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

उन्होंने कहा, ‘हम भी आपके साथ जा रहे हैं।’ वे बाहर गए और तुरंत नाव में सवार हुए, और उस रात उन्होंने कुछ नहीं पकड़ा। लेकिन जब सुबह हो गई, यीशु तट पर खड़े थे; फिर भी शिष्य नहीं जानते थे कि यह यीशु हैं। तब यीशु ने उनसे कहा, ‘बच्चों, क्या आपके पास कोई भोजन है?’ उन्होंने उत्तर दिया, ‘नहीं।’ और उन्होंने उनसे कहा, ‘नाव के दाहिने तरफ जाल डालो, और तुम पाओगे।’ उन्होंने जाल डाला, और अब मछलियों की भीड़ के कारण उसे खींच नहीं सके।”

दो घटनाओं की समझ

ये दो मछली पकड़ने के चमत्कार—हालांकि परिणाम में समान हैं—मसीह की सेवा के बहुत अलग समय पर घटित हुए और हमारे जीवन में परमेश्वर द्वारा काम करने के दो अलग-अलग दृष्टिकोणों को दर्शाते हैं।

लूका 5 में, यीशु पतरस और अन्य मछुआरों से उनके नाव में प्रचार करने के बाद मिलते हैं। वह उन्हें निर्देश देते हैं कि ‘गहरे में जाओ’—सागर के अंदर दूर तक जाओ और मछली पकड़ने के लिए जाल डालो। पूरी रात की मेहनत के बावजूद, पतरस प्रभु के वचन का पालन करता है। परिणाम? एक अद्भुत मछली पकड़ना जो उनके जाल को लगभग तोड़ देता है और नाव को डुबो देता है।

मसीह के चमत्कार मानव तर्क पर निर्भर नहीं करते

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

इसके विपरीत योहन 21 में, यीशु के पुनरुत्थान के बाद शिष्य फिर से पूरी रात मछली पकड़ते हैं लेकिन कुछ नहीं पकड़ते। इस बार, यीशु—पहले अज्ञात—तट पर खड़े होकर उन्हें केवल निर्देश देते हैं कि जाल नाव के दाहिने तरफ डालें। वे आज्ञा का पालन करते हैं और चमत्कार तट के पास ही घटित होता है, बिना गहरे में जाने की आवश्यकता के।

यीशु हमें क्या सिखा रहे हैं?

यीशु चाहते थे कि उनके शिष्य—और हम—एक महत्वपूर्ण सत्य को समझें:

चमत्कार मानव प्रयास या तर्क पर आधारित नहीं होते। वे परमेश्वर के वचन में विश्वास और आज्ञाकारिता से जन्म लेते हैं।

कुछ समय ऐसे होते हैं जब परमेश्वर हमें अधिक प्रयास करने, गहराई में जाने और कड़ी मेहनत करने के लिए निर्देशित करते हैं—जैसे गहरे में जाल डालना। इस प्रक्रिया में, वह हमारे हाथों के परिश्रम को आशीर्वाद देते हैं। लेकिन कुछ क्षण ऐसे भी होते हैं जब बिना अधिक प्रयास के, परमेश्वर हमें सीधे वहीं आशीर्वाद देते हैं जहाँ हम हैं—सरल, निकट और अप्रत्याशित—जैसे जाल को नाव के पास डालना।

मसीह के चमत्कार मानव तर्क पर निर्भर नहीं करते

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

परमेश्वर किसी एक विधि तक सीमित नहीं हैं। कभी-कभी चमत्कार के लिए आपको “गहरे में” जाने की आवश्यकता होती है। अन्य समय में यह “तट” पर घटित होता है। किसी भी तरह, यह उनका वचन, न कि हमारी रणनीति, है जो सफलता लाता है।

दोनों विधियों के परमेश्वर

आज कई लोग मानते हैं कि परमेश्वर केवल कठिन परिश्रम के माध्यम से काम करते हैं, या कि चमत्कार केवल तब आते हैं जब हम खुद को थका देते हैं। कुछ केवल अचानक, बिना प्रयास वाले चमत्कार में विश्वास करते हैं। लेकिन दोनों परमेश्वर के साथ संभव हैं।

यीशु ने कहा:

मत्ती 6:25–26 (NKJV):
“इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ, अपने जीवन के लिए चिंता मत करो
कि तुम क्या खाओगे या क्या पियोगे… आकाश के पक्षियों को देखो, वे न बोते हैं न काटते हैं और न खलिहानों में जमा करते हैं; फिर भी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उन्हें खिलाता है। क्या तुम उनकी तुलना में मूल्यवान नहीं हो?”

मसीह के चमत्कार मानव तर्क पर निर्भर नहीं करते

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

परमेश्वर वही हैं जो मरुभूमि में रोटी प्रदान करते हैं (निर्गमन 16) और तुम्हारे हाथों के काम को आशीर्वाद देते हैं (व्यवस्थाविवरण 28:12)। वह किसी सूत्र, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, पृष्ठभूमि या वर्तमान स्थिति से बंधे नहीं हैं।

परमेश्वर के मार्ग मानव समझ से परे हैं

रोमियों 11:33 (NKJV):
“हे परमेश्वर की बुद्धि और ज्ञान की संपत्ति की गहराई! उनके न्याय और मार्ग कितने अज्ञेय हैं!”

हमारा कर्तव्य है कि हम उनके साथ चलें, उन पर भरोसा करें, और उनकी आवाज़ का पालन करें—चाहे वह हमें गहरे में जाने को कहें या नाव के पास जाल डालने को। विश्वास से किया गया दोनों ही तरीके समान चमत्कारकारी परिणाम लाते हैं।

परमेश्वर के साथ चलें—जहाँ भी आप हैं

चाहे आप “गहरे में” हों या “तट पर,” आपकी जिम्मेदारी यह है कि आप मसीह के निकट रहें, उनके वचन का पालन करें, और उनके राज्य की खोज पहले करें।

मसीह के चमत्कार मानव तर्क पर निर्भर नहीं करते

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

मत्ती 6:33 (NKJV):
“लेकिन पहले परमेश्वर का राज्य और उसकी धार्मिकता खोजो, और
ये सब चीजें तुम्हें दी जाएंगी।”

इन अंतिम दिनों में देरी न करें या बहाने न बनाएं। प्रभु आपको गहरे विश्वास, समर्पण और आज्ञाकारिता की ओर बुला रहे हैं।

क्या आपने अपना जीवन यीशु को समर्पित किया है?

यदि आपने अभी तक अपने जीवन को मसीह के प्रति समर्पित नहीं किया है, तो अभी समय है। आप नहीं जानते कि कल क्या होगा। प्रभु आपके साथ संबंध चाहते हैं।

भजन संहिता 27:1 (NKJV):
“प्रभु मेरा प्रकाश और मेरा उद्धार है; मैं किससे डरूँ?
प्रभु मेरे जीवन की शक्ति है; मैं किससे भयभीत होऊँ?”

भजन संहिता 23:1–4 (NKJV):

मसीह के चमत्कार मानव तर्क पर निर्भर नहीं करते

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

“प्रभु मेरा चरवाहा है; मुझे कोई कमी नहीं होगी… यद्यपि मैं मृत्यु की छाया की घाटी से चलता हूँ, मैं किसी बुराई से नहीं डरूँगा; क्योंकि तू मेरे साथ है…”

अपना विश्वास उसी में टिकाएँ जो तर्क, प्रयास और परिस्थितियों से परे कार्य कर सकता है। वह वही है जो कल, आज और अनंतकाल तक समान है।

इब्रानियों 13:8 (NKJV):
“यीशु मसीह वही है, कल, आज और सदा।”

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp